

રાજસ્વ અધીન પ્રાધિકારી, અરતપુર

પીઠાચીન અધિકારી :- શ્રી લેખનમથુરિયા (આર૦૫૦૫૦૫૦)

આર.સી.પમ.પસ 2011/00037

અધીન સંખ્યા 112/2011 (223આર.ટી.પકટ.)

વનવાન :-

1-કલા પત્ની શુદ્ધા જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા અરતપુર।

2-જસોદા પત્ની અતરસિંહ જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

3-પુનિયા પત્ની સાહનલાલ જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

4-શ્રીનિયા પત્ની ઘડનસિંહ જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

5-જયદેવ પત્ની લક્ષ્મણ જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા અરતપુર।

અરતપુર।

6-ધીરો પત્ની રવજન જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા અરતપુર।

અરતપુર।

7-નિસ્તા પત્ની રવજા જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા અરતપુર।

અરતપુર।

8-ઘઘેરવી પત્ની શ્યામવીર જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

1-વિસા પુત્ર હુલાસી (મૃત) જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

1/1 યાદરામ પુત્ર વિસા જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

1/2 મુન્ની પુત્ર વિસા (મૃત) જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

1/2/1 કૅશવ પત્ની મુન્ની જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

1/2/2 રુપસિંહ પુત્ર મુન્ની જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

1/3/હંસરાજ પુત્ર વિસા જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

1/4 ઘનસિંહ પુત્ર વિસા જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

2-મુન્ની પુત્ર હુલાસી જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા અરતપુર।

અરતપુર।

2/1 હરયાણી પત્ની મુન્ની જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

2/2 લાલરામ પુત્ર મુન્ની જાતિ જાટવ નિવાસી નગલા ઘઘેર્યા તરહસીલ કુંહેર જિલા

અરતપુર।

સેવક સુભાષી (સ.વ.)
રાજસ્વ અધીન પ્રાધિકારી
અરતપુર (સ.વ.)



श्री १०० मूल्यांकन
 अपील अर्थात् (अ.अ.)
 ल

दौरान बहस वकील अपीलार्थी ने अपील के तथ्यों को दोहराते हुये निवेदन किया कि वकील अपीलार्थी की बहस है की अपीलार्थीन आदेश एकतरफा में पारित किया गया है। वर में एंटीडिफेंस को साक्ष्य से पुष्ट नहीं किया गया है। अपीलार्थी का जबाब बंद किया बिना ही अग्रिम कार्यवाही की गयी है। निम्न दरतावेजाल को प्रदर्श करके विना साक्ष्य में नहीं पड़ा जा सकता। लिमिटेडन के बिन्दु पर बहस करते हुए प्रकट किया कि जहां

बहस उभयपक्ष सृजनी गई।

न्यायालय की पत्रवाली मंगाई गई।

अपील दर्ता रजिस्टर की जाकर प्रत्यर्थीगण को तलब किया गया एवं अपीलार्थी

न्यायालय के निर्णय से व्यथित होकर यह अपील पेश की गई है।
 में स्थित है जिस आगे विवादित आराजी कहा गया है। विवादित आराजी बाबत अपीलार्थी नम्बर 36 रकवा 1 बीधा 2 विस्था बाक ग्राम नगला बधरी तहसील कुंहेर जिला भरतपुर यह अपील अपीलार्थी द्वारा इस आशय की पेश की गई है कि आराजी खसरा

दिनांक 7.11.2017

निर्णय

उपस्थिति :- वकील अपीलार्थी श्रीविजय सिंह कुन्तल एडवो
 वकील देवप्रोश्मी महाराजसिंह जगपुर एडवो

लि.वगी।

अपील विक्रम दिनांक 30.3.2022 मुं0न0
 98/1996 न्यायालय उप जिला कलक्टर भरतपुर
 उनवानी विधा वगी बनान मैसर्स राजस्थान बिक्स प्रा.
 देवप्रो



- 7-बन्दा पन्नी डालबंद जाति जाटव निवासी नगला बधरी तहसील कुंहेर जिला भरतपुर।
- 6- पदमचन्द जैन पुत्र मोतीलाल जैन जाति जैन निवासी बस स्टैंड कस्बा कुंहेर जिला भरतपुर।
- 5/2 सृनील पुत्र वीरेन्द्र कुमार जाति जैन निवासी बस स्टैंड कस्बा कुंहेर जिला भरतपुर।
- 5/1 शीलाल कुमार पुत्र मोतीलाल जाति जैन निवासी बस स्टैंड कस्बा कुंहेर जिला भरतपुर।
- 5-वीरेन्द्र कुमार पुत्र मोतीलाल जैन (मूल) जाति जैन निवासी बस स्टैंड कस्बा कुंहेर जिला भरतपुर।
- 4-मैसर्स राजस्थान बिक्स प्रा.लि.जसिये जयदेवतर वीरेन्द्र पदमचन्द जैन बस स्टैंड के पास जिला भरतपुर।
- 3- करनसिंह पुत्र हुलासी जाति जाटव निवासी नगला बधरी तहसील कुंहेर जिला भरतपुर।
- 2/3 किशनसिंह पुत्र मांगी जाति जाटव निवासी नगला बधरी तहसील कुंहेर जिला भरतपुर।

एक तरफ कार्यवाही हुई ही हो और आदेश प्रारम्भतः शून्य हो तो ऐसे मामले में मियाद का प्रश्न उत्पन्न नहीं होता है अपन पक्ष के समर्थन में निम्न दस्तावेज प्रेषित किये-

- 1-1991 आर.आर.डी. 218
- 2-2011 आर.आर.टी. पृज 602 (एस.सी.)
- 3-2005 आर.आर.टी. 11 पृज 769

बचाव में वकील प्रत्यर्षी ने मियाद की आपत्ति लेते हुये प्रकट किया कि अपील मियाद बाहर होने के कारण खारिज किये जाने योग्य है एवं अपील धारा 42 से भी प्रभावित है। अतः अपील खारिज की जावे।
प्रति बहस में वकील अपीलार्थी ने निवेदन किया कि विधिक व्यक्त के मामले में धारा 42 लागू नहीं होती है। अतः प्रत्यर्षी की आपत्ति चलने योग्य नहीं है।

बहस उभयपक्ष एवं दस्तावेजों के अवलोकन से प्रकट होता है कि अपीलार्थी की ओर से कोई प्रमाणी कार्यवाही प्रकट नहीं हुई है। अपीलार्थी प्रकटन से वकालतनामा प्रेष करना भी अव्यक्त कर रहा है। अपीलार्थी का ना तो पत्रावली में जबाब है और ना ही जबाब बढ़ हुआ है। प्रत्यर्षी का कोई साक्ष्य भी नहीं है। रिकार्ड के निरंतरता से यह भी स्पष्ट नहीं है कि विवादित आराजी किस प्रकार अपीलार्थी के नाम हुई एवं रकबे में अन्तर का क्या प्रभाव है। प्रकटन में प्रत्यर्षी की साक्ष्य भी नहीं हुई है। अपीलार्थी न्यायालय का अपीलार्थीन निर्णय एवं वकील अपारस्त किया जाता है एवं प्रकटन अपीलार्थी न्यायालय को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि अपीलार्थी को जबाब प्रेष करने का अवसर देते हुये उभयपक्ष की साक्ष्य के आधार पर प्रकटन निर्णय किया जावे।

भारतपुर
राजस्व अपील प्राधिकारी

यह आदेश आज दिनांक 711.2017 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खले न्यायालय में सौंपा गया।

भारतपुर
राजस्व अपील प्राधिकारी